मैं अपने पति के प्रति प्रेम, शांति, सद्भावना और आनंद का प्रसार करती हूँ।

हमारे बीच सामंजस्य, शांति और दिव्य समझ बनी रहती है।

मैं अपने पति में विद्यमान दिव्यता को नमन करती हूँ, और दिव्य प्रेम हमें हर समय एकता के सूत्र में बाँधे रखता है।

ईश्वर उनके माध्यम से सोचते हैं, बोलते हैं और कार्य करते हैं, जैसे वे मेरे माध्यम से सोचते हैं, बोलते हैं और कार्य करते हैं।

हमारा विवाह ईश्वर और उनके प्रेम को समर्पित है।